लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 12 January 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : पीएचडी की सुपरन्यूमेरिक सीटों पर शिक्षकों को मिलेगा प्रवेश

लखनऊ। शिक्षकों को लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी सत्र 2021-22 की सुपरन्यूमेरिक सीटों पर प्रवेश का रास्ता बुधवार को साफ हो गया। लुआक्टा अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने बताया कि प्रवेश समन्वयक पंकज माथुर से वार्ता के बाद पीएचडी प्रवेश के लिए विवि की वेबसाइट को खोल दिया गया है। यह ऑप्शन तीन दिन खुला रहेगा। इस पर शुल्क जमा किया जा सकता है। जिन शिक्षकों ने अपने प्रमाण पत्रों का वेरिफिकेशन न करवाया हो, वे वेरिफिकेशन करवाकर प्रवेश शुल्क जमा कर दें। (संवाद)

ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं ने बताईं किरण सिन्हा की कला यात्रा की बारीकियां

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में बुधवार को ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं डॉ. लिलि हिर्श व डॉ. वर्ना वेलवेट ने बीवीए व एमवीए के छात्र-छात्राओं को व्याख्यान के माध्यम से किरण सिन्हा की चित्रकला की बारीकियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय चित्रकार किरण सिन्हा उनकी पूर्वज हैं। वह यहां उनके चित्रों पर शोध करने और उनके कार्यों को प्रकाशित करवाने आए हैं। उन्होंने पॉवर प्वाइंट से उनके कार्यों को कालक्रम के अनुसार उनकी शैली की विशेषताएं बताईं। इस दौरान डीन डॉ रतन कुमार, क्यूरेटर आलोक कुमार, रविकांत पांडेय, अमृत सिन्हा आदि मौजूद रहे। (संवाद)

लविवि टीमों का सेलेक्शन ट्रायल 24 से

लखनऊ। लविवि एथलेटिक एसोसिएशन ने बुधवार को ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स 2022-23 के लिए खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया का शेड्यूल जारी किया है। एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि 24 जनवरी से खिलाड़ियों का चयन शुरू होगा। इसमें 24 जनवरी को बेसबॉल, 28 को क्रॉस कंट्री रेस, 27 को वुशू, एक फरवरी को हैंडबॉल, तीन को नेटबॉल और शूटिंग, चार को पॉवरलिफ्टिंग और 10 फरवरी को क्वॉन की डो खेल के लिए चयन प्रक्रिया होगी। इसमें प्रतिभाग करने के इच्छुक खिलाड़ियों को सात दिन पूर्व पंजीकरण कराना होगा। (संवाद)

वाद-विवाद प्रतियोगिता 17 जनवरी को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग में 17 जनवरी को प्रो. वीएस राम स्मृति न्यास के तत्वावधान में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विभाग की हेड प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि 'सोशल मीडिया सामग्री को विनियमित किया जाना चाहिए' विषय पर होने वाली इस प्रतियोगिता में विजेता टीम को प्रो. वीएस राम मेमोरियल रनिंग शील्ड प्रदान की जाएगी। (जासं)

दो दिवसीय टूर्नामेंट 19 से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय इंटर कालेजिएट टूर्नामेंट का आयोजन 19, 20 जनवरी को होगा। लखनऊ यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स एसोसिएशन की ओर से होने वाले इस टूर्नामेंट में वालीबाल, कबड्डी, खो-खो, टग आफ वार, बास्केट बाल, 5-ए साइड हाकी, हैंडबाल, चेस, कैरम आदि की प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें प्रतिभाग करने के लिए 15 जनवरी को शाम पांच बजे तक पंजीकरण कराया जा सकता है। (जासं)

JAGRAN CITY PAGE III

मंच पर ही मिलेंगे मेधावियों को पदक

पिछले कई वर्ष से कुछ पदक मंच पर दिए जाते थे, बाकी विभाग स्तर पर मिलते थे

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में मेडल के लिए चयनित सभी मेधावियों को इस बार मंच से ही मेडल दिए जाएंगे। 109 मेधावियों में 188 पदक दिए जाने हैं। इसके वितरण को लेकर तैयारी की जा रही है। यह भी व्यवस्था रहेगी कि जिन विद्यार्थियों को कई पदक मिलेंगे, उन्हें भी एक ही बार मंच पर सभी पदक एक साथ दिए जाएंगे ताकि बार-बार बुलाना न पड़े।

लवि के द्वितीय परिसर में 65वें दीक्षा समारोह की तैयारियां चल रही हैं। कुलपति के निर्देश पर बनीं 16 कमेटियों ने भी अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। इस बार सभी मेधावियों के लिए दीक्षा समारोह खास होगा क्योंकि उन सभी को मेडल मंच से मुख्य अतिथि के हाथों अवसर देने की तैयारी है। दीक्षा समारोह द्वितीय परिसर के मैदान में होगा। इसके लिए पंडाल लगाने का काम शुरू हो गया है। मैदान में भव्य पंडाल बनाया जाएगा। द्वितीय परिसर के डायरेक्टर प्रोफेसर बीडी सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया।

मेडल देने में बीत जाते थे कई महीने : कोविड की वजह से पिछले दो दीक्षा समारोह मालवीय सभागार में आयोजित हो रहे थे। वहां सिर्फ 15-16 मेधावियों को ही मंच से पदक दिए गए थे। बाकी मेडल देने की जिम्मेदारी विभागों को सौंप दी गई थी। बहुत से ऐसे विभाग भी रहे, जिन्होंने समारोह के कई महीनों बाद मेडल वितरित किए थे। इसलिए तैयारी है कि सभी मेधावियों को मंच से ही मेडल दे दिए जाएं ताकि उनका भी उत्साहवर्धन हो। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि सभी को मंच से मेडल देने की तैयारी की जा रही है, जिन्हें कई मेडल मिलने हैं, उन्हें भी मंच पर एक ही बार बुलाकर सभी मेडल दिए जाएंगे। इसी आधार पर व्यवस्था की जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के लिए बुधवार को द्वितीय परिसर में पंडाल बनाने की तैयारी शुरू हो गई • जागरण

मेडल पर आई 16 आपत्तियां

लवि के दीक्षा समारोह के लिए जारी की गई प्रस्तावित मेडल सूची पर आपत्ति दर्ज कराने का समय बुधवार को समाप्त हो गया। विभिन्न मेडल पर करीब 15 से 16 आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि ज्यादातर आपत्तियां नाम की स्पेलिंग गलत होने की हैं। पांच ऐसी हैं, जिन्होंने खुद के अंक अधिक होने की बात कहते हुए मेडल में नाम दर्ज कराने का अनुरोध किया है। अब जो भी आपत्तियां हैं, उनका निस्तारण कर जल्द ही फाइनल सूची जारी की जाएगी। समारोह में कुल 188 मेडल दिए जाएंगे।

केकेसी : नए मेडल के लिए 17 तक मौका

श्री जय नारायण मिश्र पीजी कालेज (केकेसी) में होने वाले संस्थापक दिवस पर मेधावियों को मेडल दिए जाएंगे। कालेज ने नए मेडल शुरू कराने के लिए सात जनवरी तक अंतिम तिथि रखी थी। अब इसे बढ़कर 16 जनवरी तक दिया गया है। प्राचार्या प्रो. मीता साह ने बताया कि कई शिक्षकों ने अपने प्रियजनों की स्मृति में पदक शुरू कराए हैं। यदि अभी कोई भी मेडल शुरू कराना चाहता है वह 16 जनवरी तक संपर्क कर सकता है। इसके बाद फाइनल सूची जारी की जाएगी। अभी तक कुल 58 पदक तय किए गए हैं। चार नए मेडल शामिल हैं।

दो मेडल जीते : इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) के बीबीए प्रथम वर्ष के छात्र सारा कुमार ने जयपुर में बीते दिनों हुई एसकेएसआई की 11वीं अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप 2022 में दो पदक जीते। आइएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने बताया कि कुमाइ (फाइट) में स्वर्ण पदक और काटा (आंदोलनों का अनुक्रम) में कांस्य पदक जीता। इस प्रतियोगिता में जापान, नेपाल जैसे विभिन्न देशों ने भाग लिया था।

शोध प्रकाशन में कालेज के साथ लवि का नाम लिखना अनिवार्य

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त महाविद्यालयों में कार्यरत अनुमोदित एवं नियमित शिक्षकों को अपने शोध प्रकाशन में अब कालेज के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय का भी नाम लिखना अनिवार्य होगा। कुलसचिव संजय मेधावी ने बुधवार को कालेजों को पत्र जारी कर दिया है।

अभी तक सहयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षक शोध प्रकाशन में सिर्फ महाविद्यालय का ही नाम अंकित करते हैं, जिससे उनके प्रकाशन व्यापक प्लेटफार्म प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं। इसलिए महाविद्यालय के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय का नाम भी लिखने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों, राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के नियमित शिक्षकों को भी अधिकारिक ई-मेल दी जाएगी। इस संबंध में लवि ने गूगल से यूजीसी के माध्यम से अनुबंध किया है।

PIONEER PAGE 3

ला नीना वर्ष होने के चलते अभी और पड़ेगी ठंड

● एलयू के प्रसिद्ध भू-वैज्ञानिक ने कहा, प्रशान्त महासागर में दक्षिण अमेरिका के पेरू तट से उठने वाली ठंडी धाराएं भारत के मौसम को कर रहीं प्रभावित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में सर्दी का सितम जारी है। शीतहलहर के बीच ठंडी हवाएं हाड़ कपाने वाली साबित हो रही हैं। इस बीच लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-गर्भ विज्ञान विभाग के प्रोफेसर व प्रसिद्ध भू-वैज्ञानिक डॉ. ध्रुवसेन सिंह का कहना है कि अभी और ठंड पड़ेगी। उनका कहना है कि यह वर्ष ला नीना का है। ला नीना प्रशान्त महासागर में दक्षिण अमेरिका के पेरू तट से उठने वाली ठंडी धाराएं हैं, जो भारत के मौसम को प्रभावित करती हैं।

भारत के मानूसन और मौसमी गतिविधियों पर पिछले कुछ दशकों से अल नीनो और ला नीना जैसी घटनाओं का असर बढ़ता हुआ दिख रहा है। प्रो. सिंह का कहना है कि दुनिया के हर कोने का मौसम प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दूसरी जगहों को किसी ना किसी तरह प्रभावित जरूर करता है लेकिन भारत की जलवायु पर प्रशांत महासागर का गहरा असर होता है। खास तौर से भारत का मानसून प्रशांत महासागर की जलवायु पर ही आधारित होता है इसलिए उसके मौसम में बदलाव भारत को सीधे प्रभावित करेगा। इनके प्रभावित करने का चक्र होता है। इसी तरह से उत्पन्न होने वाली गर्म धारा को अल नीना कहा जाता है। प्रो. सिंह का कहना है कि जब हिन्द महासागर पर दबाव कम हो जायेगा तो यहां पर उच्च वायु दाब अधिक होगा। जिसके चलते यहां से हवाएं वहां जाने लगेंगी। यहां लो प्रेशर होने की वजह से पछुआ हवाएं आने लगेंगी जो शीतलहर होती है। डॉ सिंह का कहना है कि पश्चिमी विछोभ जब पहाड़ों पर बर्फबारी करती हैं तो यहां पर उसका असर देखने को मिलता है।

इनका भारत पर असर-अल नीनो वाले प्रभाव के वर्षों में भारत में बहुत ज्यादा गर्मी देखने को मिलती हैं और उस साल मानसून में सामान्य से कम बारिश भी देखने को मिलती है। हालांकि इसके अन्य कारण भी हो सकते हैं। वहीं ला नीना के वर्षों में भारत में मानसूनी बारिश सामान्य से ज्यादा होती है और उस साल भारत में ठंड भी ज्यादा और ज्यादा समय तक रहती हैं। इस साल भारत में सामान्य से सात प्रतिशत ज्यादा बारिश देखने को मिली है।

बता दें कि जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमी घटनाएं तो बढ़ ही रही हैं। इसके साथ सामान्य मौसम स्वरूपों में भी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खास तौर से भारत का मानसून प्रशांत महासागर की जलवायु पर ही आधारित होता है इसलिए उसके मौसम में बदलाव भारत को सीधे प्रभावित करेगा।

i-NEXT PAGE 4

मेडल पर आई हैं 16 आपत्तियां

एलयू के दीक्षा समारोह के लिए जारी की गई प्रस्तावित मेडल सूची पर आपत्ति दर्ज कराने का समय बुधवार को समाप्त हो गया. विभिन्न मेडल पर करीब 15 से 16 आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं. परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि ज्यादातर आपत्तियां नाम की स्पेलिंग गलत होने की हैं. पांच ऐसी हैं, जिन्होंने खुद के अंक अधिक होने की बात कहते हुए मेडल में नाम दर्ज कराने का अनुरोध किया है. अब जो भी आपत्तियां हैं, उनका निस्तारण कर जल्द ही फाइनल सूची जारी की जाएगी.

वाद-विवाद प्रतियोगिता 17 जनवरी को

लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग में 17 जनवरी को प्रो. वीएस राम स्मृति न्यास के तत्वावधान में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी. विभाग की हेड प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि 'सोशल मीडिया सामग्री को विनियमित किया जाना चाहिए' विषय पर होने वाली इस प्रतियोगिता में विजेता टीम को प्रो. वीएस राम मेमोरियल रनिंग शील्ड प्रदान की जाएगी.

दो दिवसीय टूर्नामेंट 19 जनवरी से

लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय इंटर कालेजिएट टूर्नामेंट का आयोजन 19, 20 जनवरी को होगा. लखनऊ यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स एसोसिएशन की ओर से होने वाले इस टूर्नामेंट में वालीबाल, कबड्डी, खो-खो, टग आफ वार, बास्केट बाल, 5-ए साइड हाकी, हैंडबाल, चेस, कैरम आदि की प्रतियोगिताएं होंगी. इसमें प्रतिभाग करने के लिए 15 जनवरी को शाम पांच बजे तक पंजीकरण कराया जा सकता है.

इस बार लखनऊ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत में दिए जाएंगे 188 मेडल

सभी मेधावियों को मंच पर मेडल

i UPDATE

लखनऊ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज

LUCKNOW (11 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में मेडल के लिए चयनित सभी मेधावियों को इस बार मंच से ही मेडल दिए जाएंगे. 109 मेधावियों में 188 पदक दिए जाने हैं. इसके वितरण को लेकर तैयारी की जा रही है. यह भी व्यवस्था रहेगी कि जिन विद्यार्थियों को कई पदक मिलेंगे, उन्हें भी एक ही बार मंच पर सभी पदक एक साथ दिए जाएंगे ताकि बार-बार बुलाना न पड़े.

65वां दीक्षांत समारोह

लखनऊ यूनिवर्सिटी के द्वितीय परिसर में 65वें दीक्षा समारोह की तैयारियां चल रही हैं. कुलपति के निर्देश पर बनीं 16 कमेटियों ने भी अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है. इस बार सभी मेधावियों के लिए दीक्षा समारोह खास होगा क्योंकि उन सभी को मेडल मंच से मुख्य अतिथि के हाथों अवसर देने की तैयारी है. दीक्षा समारोह द्वितीय परिसर के मैदान में होगा.

109 मेधावियों में 188 पदक दिए जाने है

16 कमेटियों ने भी अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है

● दीक्षांत समारोह के लिए भव्य पंडाल के निर्माण का काम शुरू किया जा चुका है

अंश बने मिस्टर फ्रेशर, कनिष्का मिस फ्रेशर

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) में बुधवार को वर्ष 2022-23 के स्नातक बैच के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया. इसमें नृत्य, संगीत और कविता सहित कई कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने धूम मचाई. इस अवसर पर बीबीए (आईबी) के छात्र अंश शर्मा ने मिस्टर फ्रेशर और बीबीए (आईबी) की छात्रा कनिष्का मिश्रा ने मिस फ्रेशर का खिताब जीता. बीबीए (कोर) के छात्र हर्षित पांडेय मिस्टर चार्मिंग और बीबीए (एमएस) की छात्रा अनुप्रिया यादव को मिस चार्मिंग चुना गया. आईएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर अतिथि रहीं.

सभी का हो उत्साहवर्धन

दीक्षा समारोह मालवीय सभागार में आयोजित हो रहे थे. वहां सिर्फ 15-16 मेधावियों को ही मंच से पदक दिए गए थे. बाकी मेडल देने की जिम्मेदारी विभागों को सौंप दी गई थी. बहुत से ऐसे विभाग भी रहे, जिन्होंने समारोह के कई महीनों बाद मेडल वितरित किए थे. इसलिए तैयारी है कि सभी मेधावियों को मंच से ही मेडल दे दिए जाएं ताकि उनका भी उत्साहवर्धन हो. कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि सभी को मंच से मेडल देने की तैयारी की जा रही है, जिन्हें कई मेडल मिलने हैं, उन्हें भी मंच पर एक ही बार बुलाकर सभी मेडल दिए जाएंगे. इसी आधार पर व्यवस्था की जाएगी.

केकेसी : नए मेडल के लिए 17 तक मौका

श्री जय नारायण मिश्र पीजी कालेज (केकेसी) में होने वाले संस्थापक दिवस पर मेधावियों को मेडल दिए जाएंगे. कालेज ने नए मेडल शुरू कराने के लिए सात जनवरी तक अंतिम तिथि रखी थी. अब इसे बढ़कर 16 जनवरी तक दिया गया है. प्राचार्या प्रो. मीता साह ने बताया कि कई शिक्षकों ने अपने प्रियजनों की स्मृति में पदक शुरू कराए हैं. यदि अभी कोई भी मेडल शुरू कराना चाहता है वह 16 जनवरी तक संपर्क कर सकता है. इसके बाद फाइनल सूची जारी की जाएगी. अभी तक कुल 58 पदक तय किए गए हैं. इनमें चार नए मेडल शामिल हैं.

एलयू में 24 से किया जाएगा टीमों का ट्रायल

नार्थ जोन आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स 2022-23

LUCKNOW(11 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय में नार्थ जोन आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स 2022-23 के लिए टीमों का ट्रायल 24 जनवरी से शुरू होगा. विश्वविद्यालय की एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रुपेश कुमार ने बताया कि ट्रायल में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स को रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड, दो पासपोर्ट आकार की फोटो, पहली फीस रसीद की मूल कापी, हाईस्कूल, इंटर व स्नातक की मार्कशीट की फोटो कापी लानी होगी.

ट्रायल की तिथियां

- **बेस बाल** : 24 जनवरी (छात्र, छात्रा), सुबह 10 बजे-एलयू ग्राउंड
- **वुशू** : 27 जनवरी (छात्र, छात्रा)- सुबह 10 बजे, महाराज सिंह जिम्नेजियम, एलयू
- **क्रास कंट्री रेस** : 28 जनवरी (छात्र, छात्रा), शाम पांच बजे-एलयू ग्राउंड
- **हैंडबाल** : एक फरवरी (छात्र, छात्रा), सुबह 10 बजे, एलयू ग्राउंड
- **नेटबाल** : तीन फरवरी (छात्र, छात्रा), दोपहर 12 बजे-एलयू ग्राउंड
- **शूटिंग** : तीन फरवरी (छात्र, छात्रा), सुबह 10 बजे, सूर्या शूटिंग एकेडमी लखनऊ
- **पावर लिफ्टिंग** : चार फरवरी (छात्र, छात्रा), सुबह 10 बजे-महारज सिंह जिम्नेजियम एलयू
- **क्वान कीडो** : 10 फरवरी (छात्र, छात्रा), सुबह 10 बजे-महाराज सिंह जिम्नेजियम, एलयू

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

ललित कला संकाय में कलाकृतियों व कला यात्रा पर व्याख्यान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू के कला एवं शिल्प महाविद्यालय, ललित कला संकाय में बुधवार को आस्ट्रेलिया निवासी शोधकर्ता डॉ. लिली एवं डॉ. वर्ना वेलवेट के व्याख्यान का आयोजन हुआ। यह व्याख्यान विख्यात चित्रकार किरण सिन्हा की कलाकृतियों तथा कला यात्रा पर आधारित था। यह व्याख्यान बीबीए एवं एमबीए के छात्रों के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध हुआ। इस अवसर पर छात्र बहुत उत्साह के साथ इस व्याख्यान में उपस्थित रहे।

व्याख्यान के दौरान दोनों ही वक्ताओं ने यह बताया कि भारतीय चित्रकार किरण सिन्हा इनके पूर्वज हैं। भारत में उनके आने का मुख्य उद्देश्य किरण सिन्हा के चित्र पर मूल्यांकन कर उनके कार्यों को प्रकाशित करना है। उन्होंने पॉवर प्वाइंट के माध्यम से उन कार्यों को कालक्रम के अनुसार छात्रों को दिखाया तथा उनके शैलीगत विशेषता को छात्रों के समक्ष रखा। इस व्याख्यान में संकायाध्यक्ष एवं प्रधानाचार्य डॉ. रतन कुमार एवं कार्यक्रम के क्यूरेटर आलोक कुमार द्वारा डॉ. लिली हिर्श एवं डॉ. वर्ना वेलवेट को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के व्यवस्थापक रविकान्त पाण्डेय तथा अमृत सिन्हा ने मंच पर उपस्थित होकर वक्ताओं का अभिवादन किया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ सभी शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। व्याख्यान छात्र-छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक रहा।